भारत - सर्बिया संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और सर्बिया के बीच मधुर और गर्मजोशीपूर्ण संबंध रहे हैं जो विदेश नीति के मुख्य स्तंभ के रूप में गुट निरपेक्ष आंदोलन के साझे मूल्यों पर आधारित हैं, जो पंडित नेहरू और टिटो की निजी मित्रता द्वारा पोषित हुए तथा 1980 के दशक की समाप्ति तक नियमित उच्च स्तरीय यात्राओं द्वारा बरकरार रहे। पूर्ववर्ती युगोस्लाविया के विघटन के बावजूद भारत और सर्बिया ने महत्वपूर्ण हित के मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करने की परम्परा को जारी रखा है। भारत सरकार ने हाल के वर्षों में सर्बिया के एक स्वायत्त प्रान्त, कोसोवो द्वारा स्वतंत्रता की एकपक्षीय घोषणा के विरुद्ध सर्बिया का सतत समर्थन किया है और इस समय संयुक्त राष्ट्र के अंतरिम प्रशासन के अधीन है। माननीया पूर्व विदेश राज्य मंत्री श्रीमती परणीत कौर द्वारा नवंबर 2013 में किए गए दौरे से द्विपक्षीय संबंध पुन: ऊर्जस्वित हुए, जब सर्बिया की सरकार ने अपने परंपरागत संबंध को पुन: जोड़ने की मंशा के संकेत दिए। डब्ल्यूटीओ में स्रिबया के परिग्रहण और दूतावास निवास के 99 वर्षीय लीज पर भारत-सर्बिया का करार; दूतावास ग्रुप के आई टी पार्क का पहला चरण चालू किया गया।

सर्बिया और भारत दोनों की नई सरकारों ने मार्च / मई 2014 में अपने-अपने राष्ट्रीय चुनावों के बाद तेजी से संपर्क स्थापित किए; प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और सर्बिया के प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर वूसिक ने इस ऐतिहासिक मित्रता के नवीनीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता के संदेशों का गर्मजोशी के साथ आदान - प्रदान किया। भारत सरकार ने मई 2014 में सर्बिया में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान 100,000 यूएस डॉलर की तत्काल वित्तीय राहत सहायता प्रदान की। राष्ट्रपति जी ने मई 2015 में मास्को में सर्बिया के राष्ट्रपति टोमीस्लाव निकोलिक के साथ द्विपक्षीय बैठक की जिसमें कोसोव पर भारत के दृष्टिकोण की फिर से पुष्टि की गई। प्रधानमंत्री अलेकसेंडर वुसिक ने परंपरागत दीप जलाकर फरवरी 2015 में 37वें बेलग्रेड अंतर्राष्ट्रीय मेले में भारतीय मंडप का उद्घाटन किया। सर्बियाई सरकार ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया और 21 जून, 2015 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के लिए समर्थन दिया। सर्बिया के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इविका डैसिक 15 अगस्त 2015 को 69वें स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि थे। सर्बियाई संसद के अध्यक्ष माजा गोजकोविक 1 अक्टूबर 2015 को न्यू बेलग्रेड में गांधी स्ट्रीट में महात्मा गांधी स्मारक में गांधी जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह में मानद अतिथि थे। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, सर्बिया ने शेनझेन/यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका के वीजा धारकों को भारतीय (और अन्य) पासपोर्टों पर 90 दिन तक के वीजा-मुक्त प्रवेश की अनुमति प्रदान की है।

मौजूदा करार/समझौता ज्ञापन द्विपक्षीय संबंधों को गति प्रदान करने और सहयोग को आगे बढ़ाने के अन्य क्षेत्रों की पहचान करने के लिए आवश्यक संरचना प्रदान करते हैं। इनमें बीपा, डीटीएसी, वायु सेवा करार, व्यापारिक करार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग संबंधी करार, कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों, पर्यटन, राजनयिक एवं पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट, विदेश सेवा प्रशिक्षण, विदेश कार्यालयी परामर्श जैसे संस्थागत कार्यतंत्रों और संयुक्त आर्थिक समिति में सहयोग संबंधी करार आदि शामिल हैं। संस्कृति, कला, युवा, खेल तथा जल संचार माध्यम पर प्रारूप एम ओ यू हस्ताक्षर के लिए तैयार है। आई सी टी में सहयोग पर एम ओ यू के लिए वार्ता चल रही है तथा संशोधित हवाई सेवा करार के लिए वार्ता शुरू की गई है।

बहुपक्षीय मामलों में सहयोग - बहुपक्षीय निकायों में चुनावों के लिए परस्पर सहायता एवं अन्योन्याश्रित व्यवस्थाएं करने के मामलों में भारत और सर्बिया का बहुपक्षीय मंचों में सहयोग का अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड है। सर्बिया ने वर्ष 2011-12 में सुरक्षा परिषद में भारत की अस्थायी सीट के प्रत्याशी के रूप में समर्थन किया था और भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जब कभी कोसोवो मुद्दा उठा, तभी सर्बिया को समर्थन प्रदान किया है। भारत ने वर्ष 2012-13 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के प्रत्याशी के रूप में सर्बिया के पूर्व विदेश मंत्री मिस्टर वुक जेरेमिक का और वर्ष 2014-16 की अवधि के लिए इकोसोक के प्रत्याशी के रूप में सर्बिया का समर्थन किया। भारत ने 9 नवंबर को पेरिस में आयोजित यूनेस्को सामान्य सम्मेलन में कोसोव के एडमिशन के खिलाफ सर्बिया के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिससे सर्बिया को जीत हासिल करने में मदद मिली। सर्बिया ने अंतरराष्ट्रीय विधि आयोग के पुनर्निर्वाचन (2012-16) के लिए, आईसीएओ के चुनावों के लिए और संयुक्त राष्ट्र लेखापरीक्षक बोर्ड में पद के लिए भारत का एक प्रत्याशी के रूप में समर्थन किया। सर्बिया ने 2014-2018 के कार्यकाल के लिए 'इंटरनेशनल कमिटी फॉर दी सेफगार्डिंग ऑफ दी इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज' के चुनावों के लिए, 2015-17 के लिए मानवाधिकार परिषद के चुनावों के लिए और रीजन-ई (एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया) में अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ परिषद (आईटीयू) के 2015-18 के कार्यकाल के लिए पुनर्निर्वाचन के लिए भी भारत का समर्थन किया। सर्बिया ने जून 2015 में आयोजित विश्व सीमा शुल्क संगठन में निदेशक (क्षमता निर्माण) के पद के लिए भी भारत का समर्थन किया (भारतीय उम्मीदवार जीत नहीं सका) और नवंबर 2015 में लंदन में आयोजित आई एम ओ के 29वें सत्र में श्रेणी ख में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आई एम ओ) की परिषद में भारत के पुनर्चुनाव का समर्थन किया।

आई टी ई सी सहयोग - आई टी, संचार, अंग्रेजी भाषा, एस एम ई, प्रबंधन, वित्त, टेक्सटाइल, ग्रामीण विकास, पर्यावरण आदि जैसे क्षेत्रों में सर्बिया के 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थी आई टी ई सी के तहत भारत में करियर मध्य प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। सभी पिछले प्रतिभागियों ने इन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता की सराहना की है। सर्बिया को वर्ष 2015-16 के लिए 25 स्लॉट्स आवंटित किए गए हैं।

रक्षा - भारत ने सर्बिया से बंदूकों और हथियारों के सहित कुछ रक्षा उपस्करों की खरीद की है। किरन-1 प्रशिक्षण एयरक्राफ्ट इंजन की सर्विसिंग सर्बियाई कंपनी ग्लोटेक लिमिटेड द्वारा की जा रही है। युगोलमपोर्ट एस डी पी आर और स्लोबोडा आर्म के नेतृत्व में सर्बिया का रक्षा उद्योग डिफेक्सपो और एयरोएक्सपो में भाग ले रहा है। भारतीय रक्षा उद्योग परिसंघ ने मेक इन इंडिया पहल के तहत प्रौद्योगिकी के अंतरण के माध्यम से उन्नत माउंटेड गन सिस्टम एवं एयर डिफेंस सिस्टम के विनिर्माण के लिए सर्बिया की कंपनियों के साथ एम ओ यू किया है। युगोइम्पोर्ट ने विंटेज के वी ए डी आर ए टी मिसाइल की मरम्मत के सिलसिले में भारत डायनामिक्स लिमिटेड हैदराबाद के निमंत्रण पर 24 से 26 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। सर्बिया ने भारत में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा पाठ्यक्रम में एक स्लाट का उपयोग किया तथा बदले में सी बी आर एन में भारत को एक पाठ्यक्रम की पेशकश की।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

विशेष रूप से आई सी टी क्षेत्र में भारतीय कंपनियों एवं संस्थाओं को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए 2015 में सर्बिया की 50 से अधिक कंपनियों ने भारत का दौरा किया। इसके अलावा सर्बिया की राष्ट्रीय पेट्रोलियम समिति के एक शिष्टमंडल ने 26 से 30 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित विश्व पेट्रोलियम परिषद (डब्ल्यू पी सी) की बैठकों में भाग लिया। सेंट्रोनिस ए डी से बार्क द्वारा खरीदे गए 3 डी मैग्नेटिक फील्ड मैपिंग सिस्टम के संस्थापन एवं अधिष्ठापन के लिए सर्बिया की अनुसंधान एवं विकास

कंपनी सेंट्रोनिस ए डी से दो सदस्यीय टीम को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बार्क) द्वारा नवंबर 2015 में बुलाया गया। विंका परमाणु विज्ञान संस्थान, बेलग्रेड से प्रोफेसर डा. ब्रांको माटोविक और डा. बिल्जाना बाबिक को कुछ प्रयोग करने में धात्विक तथा सामग्री इंजीनियरिंग विभाग की मदद करने तथा वैज्ञानिक व्याख्यान देने के लिए जनवरी 2016 में आई आई टी मद्रास द्वारा बुलाया गया।

भारत - सर्बिया संयुक्त आर्थिक समिति (जे ई सी) की दूसरी बैठक अक्टूबर 2014 में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हुई। इस समय भारत की ओर से सर्बिया को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : फार्मास्युटिकल एवं रासायनिक उत्पाद, कॉटन यार्न और टेक्सटाइल, रेडीमेड गारमेंट एवं फुटवियर, मेटल, लोहा एवं इस्पात के उत्पाद, कॉफी, तिल के बीज तथा औद्योगिक मशीनरी, जबकि सर्बिया से आयात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्य रूप से सिगरेट / तंबाकू, औद्योगिक मशीनरी / पुर्जे, जैविक रसायन, कार्यालय मशीनरी, प्लासिटक उत्पाद आदि शामिल हैं। मिशन सर्बिया के साथ व्यापार करने और सर्बिया में निवेश करने के लिए भारतीय कंपनियों को और विलोमत: पूरे जोश के साथ प्रोत्साहित करता है। हाल के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ें यहां नीचे दिए गए हैं : (मिलियन अमरीकी डालर में)

मद	**2010**	**2011**	**2012**	**2013**	**2014**	**2015 (**नवंबर तक**)**
भारत का निर्यात	113.36	152.55	153.56	173.88	139.86	127.60
भारत का आयात	09.66	08.39	4.87	08.74	8.74	5.20
कुल व्यापार	123.02	160.94	158.43	182.62	148.60	132.80

2015 में सर्बिया की कंपनियों ने निम्नलिखित में भागीदारी के लिए भारतीय अतिथि सत्कार पैकेज का लाभ उठाना जारी रखा (i) इंडिया इंजीनियरिंग सोर्सिंग शो (आई ई एस एस); (ii) इंडिया इंटरनेशनल हैंडवोवेन फेयर (आई आई एच एफ); (iii) गुजरात इंटरनेशनल हैंडलूम एण्ड हैंडीक्राफ्ट मीट "गुजजारी" तथा इंडियन फैशन ज्वैलरी एण्ड असेसरीज शो (आई एफ जे ए एस)। भारतीय फैशन कंपनियों द्वारा सर्बिया के माडलों की भारी मांग है।

सर्बिया के कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय के एक अधिकारी ने कृषि मंत्रालय के सहयोग से 3 से 5 दिसंबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में फिक्की द्वारा आयोजित 'एग्रीमैक' इंडिया 2015' नामक प्रदर्शनी में भाग लिया।

महिला उद्यमियों पर सम्मेलन (सितंबर), डिजिटल सम्मेलन (सितंबर), एच आर सर्बिया पर सम्मेलन (नवंबर) में मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट शहर परियोजना आदि जैसे भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों को प्रमोट किया गया। सर्बियन चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री के साथ मिलकर सितंबर में संयुक्त रूप से "भारत - राष्ट्रीय आर्थिक परियोजनाएं तथा सहयोग के लिए अवसर" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। राइट्स लिमिटेड ने सर्बियाई बुनियादी संरचना एवं सड़क परियोजनाओं में भाग लेने की संभावनाएं तलाशने के लिए 7-9 अप्रैल 2015 तक सर्बिया का दौरा किया। भारतीय कृषि यंत्र कंपनियों की सर्बियाई सहयोगी कंपनियां, जैसे, टैफे, महिन्द्रा और सोनालिका हर साल मई के महीने में आयोजित होने वाले नोवी साड इंटरनेशनल एग्रीकल्चर फेयर में नियमित रूप से भाग लेती हैं।

सर्बिया में भारतीय निवेश

- बंगलौर की एक भारतीय रीयल एस्टेट कंपनी, एम्बेसी ग्रुप ने ब्रेलग्रेड के निकट इंडिजिजा के कस्बे में एक आईटी पार्क विकसित किया है। यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है और 15 मिलियन यूरो (20

मिलियन यूएस डॉलर) के आरंभिक निवेश के साथ पहला चरण आरंभ किए जाने के लिए तैयार है। यह आईटी पार्क सर्बिया और इस क्षेत्र में आईटी केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

- सर्बिया की कंपनी "एग्रोपनोन्का एमटीजेड फिन्के" ने महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के सहयोग से नोवी साड में महिन्द्रा ट्रैक्टर्स के लिए एक असेम्बली लाइन खोली है। इसमें एक वर्ष में 1,000 महिन्द्रा ट्रैक्टर तैयार किए जाने की योजना है।
- इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स गुप (सोनालिका ग्रुप) ने सर्बिया के बोल्जेवाक शहर में सोलिस ब्राण्ड के अंतर्गत ट्रैक्टरों के लिए असेम्बली लाइन शुरू कर दी है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2015 तक वर्ष में 200 ट्रैक्टर असेम्बल करने और 2017 तक क्षेत्रीय बाजारों को कवर करने के लिए वर्ष में 1000 ट्रैक्टर असेम्बल करने के लिए 14 मिलियन यूएस डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है।
- भारतीय कंपनियों, अमल्गमेशन्स लिमिटेड (टैफे ट्रेक्टर), रैनबेक्सी, हिमालया हर्बल्स और पेनेसियाबायोटेक ने सर्बिया में अपने स्थानीय प्रतिनिधि नियुक्त किए हैं।

सांस्कृतिक संबंध :

सर्बिया सांस्कृतिक रूप से दैदीप्यमान देश है और सर्बिया के लोग आपसी संबंधों को मूल्यवान समझते हैं। उनकी भारतीय संस्कृति में बहुत अधिक रुचि है और स्थानीय टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले 'बालिका वधू' तथा 'उतरन' और 'ना आना इस देश लाडो' जैसे टीवी सीरियल बहुत लोकप्रिय हैं। मिशन ने सांस्कृतिक कूटनीति को अगले स्तर पर ले जाने के लिए स्थानीय भारत-केन्द्रित संगठनों की ऊर्जाओं का इस्तेमाल करने के लिए कई प्रकार की पहलें की हैं।

सर्बियाई कानून में योग, आयुर्वेद और होम्योपैथी को मानयता दी गई है। यहां योग लोकप्रिय है तथा योग की सभी धाराओं को पढ़ाया जाता है और अभ्यास में लाया जाता है। मंत्रालय ने भारत-विज्ञानी प्रोफेसर दुसान पाजिन द्वारा लिखी गई सर्बियाई पुस्तक 'योगा-माइंड एण्ड बॉडी'का आंशिक रूप से वित्त-पोषण किया। पारंपरिक औषधियों के एक मशहूर स्थानीय विशेषज्ञ, प्रोफेसर वुक स्टैमवोलोविक, जो इस समय वाइस प्रेसिडेंट, पारंपरिक औषधि आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय के रूप में काम कर रहे हैं, ने स्थानीय योग, आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थानों के अध्यक्षों और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच इंटरएक्शन को सुकर करने के लिए अप्रैल 2015 को सर्बियाई स्वास्थ्य मंत्रालय में 'पारंपरिक औषधि-लक्ष्य एवं चुनौतियां' पर एक विशेषज्ञ स्तरीय बैठक का आयोजन करने में मिशन की मदद की। सर्बिया के प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख केन्द्रों में भारतीय परंपरागत दवाओं के नैदानिक प्रयोग के लिए आयुष की संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए हाल ही में योग, आयुर्वेद एवं होमियोपैथी में विशेषज्ञता हासिल करने वाले तीन चिकित्सा डाक्टरों ने भारत का दौरा किया है। अन्य नियोजित गतिविधियों में बेलग्रेड में आयुर्वेद सूचना प्रकोष्ठ / केन्द्र की स्थापना तथा अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन शामिल है। 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह स्टुडेंट्स्की पार्क और बेलग्रेड के कलेमेग्डन किले में और सर्बिया के 50 अन्य शहरों में आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने योग के स्वास्थ्य लाभों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा की तथा सर्बिया की विभिन्न नगर पालिकाओं के साथ दूतावास के संबंधों को सुदृढ़ किया।

महात्मा गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म वर्षगांठ पुष्प अर्पणों, व्याख्यानों और फिल्मों के साथ मनाए जाते हैं। मार्च 2015 में, मिशन ने प्रख्यात लेखक और वक्ता, श्री बिरद राजाराम याग्निक द्वारा महात्मा गांधी पर एक अनूठी इंटरएक्टिव मल्टी मीडिया प्रस्तुति का आयोजन किया। इसमें लगभग 3000 सर्बियाई नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

लोक राजनय में हाल के वर्षों में दूतावास की पहलों में बेलग्रेड इंटरनेशनल बुक फेयर, बेलग्रेड इंटरनेशनल टूरिज्म फेयर, बेलग्रेड फैशन वीक और बेलग्रेड डिजाइन वीक में भाग लेना शामिल है। आई सी सी आर के नेतृत्व में निष्पादन समूहों एवं प्रदर्शनियों ने 2015 में सर्बिया में लोकप्रियता हासिल करने का काम जारी रखा जिसमें रूद्र वीणा ग्रुप, कटकठा पपेट ग्रुप, तबला ग्रुप और भरतनाट्यम डांस ग्रुप शामिल हैं। भारत के 69वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गैलरी ऑफ नेशनल बैंक ऑफ सर्बिया द्वारा 20 से 31 अगस्त 2015 के दौरान "मंदिर, किले और महल - भारतीय वास्तुशिल्प के 2000 वर्ष" नामक प्रदर्शनी लगाई गई तथा 1 से 3 सितंबर 2015 के दौरान नोवी सैड एवं ज़्रेंजानिन में भारतीय शास्त्रीय वाद्य यंत्रों के कंसर्ट का आयोजन किया गया।

फरवरी 2015 में बेलग्रेड में म्यूजियम ऑफ अप्लाइड आर्ट्स में भारत - सर्बिया फोटोग्राफी प्रतियोगिता प्रदर्शनी लगाई गई। लेसकोवैक एवं ज़्रेनजानिन नगरपालिकाओं द्वारा 'टैगोर की कलाकृति के डिजिटल प्रिंट' और 'भारत के मंदिर, किले एवं प्रासाद' पर आई सी सी आर प्रदर्शनियों एवं फिल्म स्क्रीनिंगों के सहित भारतीय संस्कृति दिवसों का आयोजन किया गया। सर्बिया के तीन कलाकारों ने 3 से 8 दिसंबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में पहली अंतर्राष्ट्रीय वाटर कूलर सोसाइटी इंडिया द्विवार्षिक 2015 में भाग लिया। सर्बिया के दैनिक "वेसेरेंजे नोवोस्टी" के प्रख्यात कार्टूनिस्ट तोसो बार्कोविक ने भारत में जुलाई 2015 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेव कार्टून प्रतियोगिकता में विषय के रूप में शिक्षा के साथ अपने कार्टून के लिए पहला पुरस्कार जीता।

बेलग्रेड विश्वविद्यालय ने भारी मांग पर 2015 में एक नया पाठ्यक्रम 'भारत का सांस्कृतिक इतिहास' शुरू किया है। तकनीकी विशेषज्ञता के लिए छात्रों के विनिमय के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आई ए ई एस टी ई) के तहत छात्रों का आदान प्रदान नियमित रूप से होता है; 2012 से 2015 के बीच भारत के 31 और सर्बिया के 30 छात्रों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया है। सर्बिया की 8 सदस्यीय टीम ने जुलाई 2015 में मुंबई में आयोजित 46वें अंतर्राष्ट्रीय फिजिक्स ओलंपियाड में भाग लिया और 3 मेडल तथा 2 प्रमाण पत्र जीते।

फिल्मों के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग है। सर्बिया के मशहूर फिल्म निर्माण एवं निदेशक गोरान पासकलजेविक ने पहले भारत - सर्बिया फिल्म सह निर्माण 'देव भूमि' की शूटिंग की जो उत्तराखंड की पृष्ठभूमि में बालिका शिक्षा के विषय पर आधारित है। पहली भारतीय फिल्म - फ्रांसीसी फिल्म "अनटचेबल" की रीमेक - की शूटिंग सर्बिया में हुई। भारतीय फिल्म निर्देशक गुरविंदर सिंह की फीचर फिल्म 'द फोर्थ डायरेक्शन' ने दिसंबर 2015 में बेलग्रेड में आयोजित 21वें आउटियर फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए ग्रैंड प्रिक्स "अलकजेंडर सासा पेट्रोविक" पुरस्कार जीता है। सर्बिया के फिल्म निर्देशक गोरान राडोवानोविक की फिल्म 'एन्क्लेव' का 20 से 23 नवंबर 2015 के दौरान गोवा में आयोजित 46वें अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव में जूरी द्वारा विशेष उल्लेख किया गया। श्री नेनाड ड्यूकिक जो सर्बिया के मशहूर फिल्म समीक्षक हैं, को 14वें पुणे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में आधिकारिक जूरी के रूप में आमंत्रित किया गया।

खिलाड़ियों का आदान प्रदान नियमित रूप से हुआ है जिसमें हाल ही में भारतीय शतरंज खिलाड़ी श्री शिवा महादेवन की सर्बिया में जी एम टूर्नामेंट "सुमाराइस" में भागीदारी, भारतीय आई टी एफ टेनिस टूर्नामेंट में सर्बिया के टेनिस खिलाड़ियों की भागीदारी, सर्बिया में 5वें राष्ट्रीय कप बाक्सिंग टूर्नामेंट में 28 सदस्यीय भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम की भागीदारी और राजस्थान राज्य खेल परिषद द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय बास्केट बाल कोच के रूप में श्री मारको जारकोविक की नियुक्ति शामिल है।

भारत का दौरा करने वाले सर्बिया के पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2015 में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारतीय समुदाय - सर्बिया में गिनती के एन आर आई / पी आई ओ हैं। यहां कोई भारतीय समुदाय संघ नहीं है।

उपयोगी संसाधन **:**

भारत का दूतावास, बेलग्रेड की वेबसाइट :
http://eoibelgrade.gov.in/
भारतीय दूतावास फेसबुक :
https://www.facebook.com,/IndianSerbia
भारतीय दूतावास ट्विटर :
https://twitter.com/IndiaInSerbia
मासिक भारत न्यूजलैटर :
http://eoibelgrade.gov.in/pages.php?id=126
भारत सर्बिया फोटोग्राफी प्रतियोगिता :
http://indiaserbia.com/

***

जनवरी***, 2016***